UNIVERSITY NEWS 14 JANUARY 2026

AMRIT VICHAR

विवाह के समय ही बेटियों को मिले सम्पत्ति में हिस्सा

हिंदू उत्तराधिकार कानून और उत्तर प्रदेश भू-राजस्व संहिता में विरोधाभास उजागर

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- लविवि के अध्ययन में खुलासा, 90 प्रतिशत बेटियों को नहीं मिला हिस्सा
- उत्तराधिकार में बेटियों के साथ हो रहा है भेदभाव, बीकेटी क्षेत्र में हुआ अध्ययन

यह रिपोर्ट स्पष्ट करती है कि सामाजिक दबाव, गलत धारणाएं और वसीयत के माध्यम से बेटियों को सम्पत्ति से वंचित किया जा रहा है। सरकार से अपील है कि कानूनी में आवश्यक संशोधन कर बेटियों को वास्तविक न्याय दिलाया जाए।

प्रो. राकेश कुमार सिंह
विधि विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय

अमृत विचार : विवाह चुने या पैतृक सम्पत्ति में हिस्सा, यह धर्मसंकट उन बेटियों के सामने खड़ा हो रहा है, जो अधिकारहीन हैं। अध्ययन में सामने आया है कि 90 प्रतिशत बेटियों को उनके पिता की सम्पत्ति में हिस्सा नहीं दिया गया। सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय और उत्तर प्रदेश भू-राजस्व संहिता, 2006 के बीच विरोधाभास का यह खुलासा लखनऊ विश्वविद्यालय के अध्ययन और जनहितों सर्वेक्षण में हुआ है। विश्वविद्यालय के विधि विभाग के अध्ययन में प्रदेश में बेटियों के उत्तराधिकार अधिकारों में व्यापक भेदभाव उजागर हुआ है।

उत्तर प्रदेश सरकार की रिसर्च एंड डेवलपमेंट योजना 2021-22 के अंतर्गत लखनऊ विश्वविद्यालय के विधि संकाय को सौंपे गए प्रोजेक्ट की रिपोर्ट सामने आई है। प्रो. आरके सिंह द्वारा तैयार इस रिपोर्ट में सामाजिक और आर्थिक परिस्थितियों से जुड़े चौंकाने वाले तथ्य सामने आए हैं, जो प्रदेश सरकार के लिए भू-सिंचाईकर माने जा रहे हैं। रिपोर्ट में कानूनी नियमों और सामाजिक प्रथाओं के बीच जबरदस्त घालमेल की स्थिति सामने आई है। अध्ययन का विषय मिशन शक्ति के अंतर्गत बेटियों के कृषि एवं पैतृक सम्पत्ति में उत्तराधिकार की स्थिति का विधिक मूल्यांकन था, जिसे विधि विभाग के प्रो. राकेश कुमार सिंह ने किया।

यह अंतर्विरोध आया सामने कृषि भूमि के उत्तराधिकार में उत्तर प्रदेश भू-राजस्व संहिता, 2006 लागू होती है, जिसके अनुसार केवल अविवाहित पुत्री को ही पिता की भूमि में हिस्सा मिलता है। विवाहिता पुत्री का अधिकार स्वतः समाप्त हो जाता है। यह प्रावधान बेटियों को विवाह और सम्पत्ति के बीच कठिन विकल्प चुनने के लिए विवश करता है। इसके विपरीत, हिंदू उत्तराधिकार (संशोधन) अधिनियम, 2005 और उच्चतम न्यायालय का विनीता शर्मा बनाम राकेश शर्मा निर्णय बेटियों को जन्म से ही पैतृक सम्पत्ति में समान अधिकार प्रदान करता है।

बवशी का तालाब क्षेत्र में हुआ सर्वेक्षण: लखनऊ शहर से सटी बवशी का तालाब तहसील में किए गए अध्ययन में बेटियों के कृषि व पैतृक सम्पत्ति में उत्तराधिकार की स्थिति का विधिक मूल्यांकन किया गया। यह अध्ययन उत्तर प्रदेश शासन की रिसर्च एवं डेवलपमेंट योजना 2021-22 के तहत हुआ।

- **भू-राजस्व संहिता में व्यवस्था :** परियोजना के प्रधान अन्वेषक प्रो. राकेश कुमार सिंह ने बताया कि कृषि भूमि के उत्तराधिकार में उत्तर प्रदेश भू-राजस्व संहिता 2006 लागू होती है। इसके अनुसार अविवाहित पुत्री को ही पिता की भूमि में हिस्सा मिलता है। विवाहित पुत्री का अधिकार स्वतः समाप्त हो जाता है। यह प्रावधान बेटियों को विवाह और संपत्ति के बीच कठिन विकल्प चुनने पर विवश करता है। इसके विपरीत हिंदू उत्तराधिकार (संशोधन) अधिनियम 2005 और उच्चतम न्यायालय का विनीता शर्मा बनाम राकेश शर्मा निर्णय बेटियों को जन्म से ही पैतृक संपत्ति में बराबरी का अधिकार देता है। इस विरोधाभास से व्यवहार में समस्याएं आती हैं।
- विवाहिता पुत्री को विवाह के बाद पिता के परिवार की सदस्यता समाप्त कर वास्तविक हिस्सेदारी विवाह के समय ही दी जानी चाहिए।
- पति के परिवार में उसे पति के बराबर अधिकार मिलना चाहिए।
- बेटियों को जागरूक करने के लिए विशेष अभियान चलाया जाए और विवादों के निस्तारण के लिए अलग न्यायालय की स्थापना हो।

सरकार को दिए सुझाव

- विवाहिता पुत्री को विवाह के पश्चात पिता के परिवार की सदस्यता समाप्त कर वास्तविक हिस्सेदारी विवाह के समय ही दी जानी चाहिए।

TIMES OF INDIA

City girl attempts 2 Guinness records in single sitting

TIMES NEWS NETWORK

In just one minute, the young prodigy recited 360 decimal places of Euler's number

Lucknow: With her eyes blindfolded and the clock ticking, 10-year-old **Aryama Shukla** stunned the audience at Lucknow University by attempting two Guinness World Records in a single sitting.

In just one minute, the young prodigy recited 360 decimal places of Euler's number, surpassing the previous records of 281 by Sanchi Gourineni of the USA and 630 decimal places of Pi, surpassing the previous record of 598 by Fang Zhao of China.

Aryama's attempt took place at the Paranjpe Pavilion ground at Lucknow University on Tuesday, strictly following Guinness guidelines. The results will be declared after the Guinness authorities verify the feat.

Last year, Aryama attempted a similar record but missed it narrowly. She is a student of City Montessori School, Aliganj Campus II, and has previously been honoured with the World Record of Excellence for reciting the entire Bhagavad Gita in 2 hours and 10 minutes.

Kamlesh Kumar, scientist at the Birbal Sahni Institute of Palaeosciences, served as the independent witness while Nirmal Srivastava, assistant professor of mathematics at National PG College, verified the numbers. Mohammad Tariq and Sharad Chaurasia were responsible for timekeeping.

AMAR UJALA

अब कोका कोला के प्लांट में काम करने का मिलेगा मौका

संवाद न्यूज एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय व संबद्ध महाविद्यालय के विद्यार्थियों को कोका कोला की बॉटलिंग यूनिट में काम करने का मौका मिलेगा। विवि की कैंपस प्लेसमेंट सेल ने आवेदन मांगे हैं।

ब्रिंदावन बॉटलर्स प्रा.लि. की ओर से ट्रेनी केमिस्ट क्वालिटी पद के लिए भर्ती की जाएगी। कार्य क्षेत्र लखनऊ, नवाबगंज और उन्नाव है। चयनितों को गुणवत्ता व खाद्य सुरक्षा प्रक्रिया, सुरक्षा अनुपालन और दस्तावेजीकरण का काम करना है।

इंटर्नशिप में मिलेंगे 15 हजार रुपये प्रति माह : चयनितों को एक वर्ष की प्रशिक्षण अवधि से भी गुजरना होगा। इस दौरान 15 हजार महीना स्टाइपेंड मिलेगा। प्रशिक्षण पूरा होने के बाद सालाना 1,87,272 रुपये की सीटीसी मिलेगी। तीन वर्ष का सेवा अनुबंध भी लागू है।

ऐसे करें आवेदन

https://forms.gle/f6fyFcZ1H4TVnz1x9 पर 16 जनवरी तक कर सकेंगे आवेदन।

120 पदों के लिए लविवि व संबद्ध कॉलेज के छात्रों से मांगे आवेदन

आवेदन के लिए स्कैन कोड को करें स्कैन।

कंपनी कोका-कोला की बॉटलिंग फ्रेंचाइजी के रूप में काम करती है। यहां पेय पदार्थों के निर्माण और वितरण से जुड़े काम होते हैं। विद्यार्थियों के लिए यह अच्छा अवसर है।

- प्रो. अनूप भारतीय, केंद्रीय प्लेसमेंट सेल, लविवि

AMAR UJALA

पिता की संपत्ति में 90 फीसदी बेटियों को नहीं मिला हिस्सा

संवाद न्यूज एजेंसी

लखनऊ विश्वविद्यालय के विधि संकाय के अध्ययन में सामने आया तथ्य

लखनऊ। पिता की संपत्ति पर बेटियों का अधिकार है। हालांकि, 90 फीसदी बेटियों को इसका लाभ नहीं मिल सका है। लखनऊ विश्वविद्यालय के विधि संकाय के सर्वेक्षण में यह चौंकाने वाला आकड़ा सामने आया है।

प्रो. राकेश सिंह।

अधिकतर बेटियों को अपने हक की जानकारी ही नहीं है। विवि के विधि संकाय की ओर से मिशन शक्ति के तहत बख्शी का तालाब तहसील में किए गए अध्ययन में बेटियों के कृषि व पैतृक संपत्ति में उत्तराधिकार की स्थिति का विधिक मूल्यांकन किया गया। यह अध्ययन उत्तर प्रदेश शासन की रिसर्च एवं डेवलपमेंट योजना 2021-22 के तहत हुआ।

- **भू-राजस्व संहिता में व्यवस्था :** परियोजना के प्रधान अन्वेषक प्रो. राकेश कुमार सिंह ने बताया कि कृषि भूमि के उत्तराधिकार में उत्तर प्रदेश भू-राजस्व संहिता 2006 लागू होती है। इसके अनुसार अविवाहित पुत्री को ही पिता की भूमि में हिस्सा मिलता है। विवाहिता पुत्री का अधिकार स्वतः समाप्त हो जाता है। यह प्रावधान बेटियों को विवाह और संपत्ति के बीच कठिन विकल्प चुनने पर विवश करता है। इसके विपरीत हिंदू उत्तराधिकार (संशोधन) अधिनियम 2005 और उच्चतम न्यायालय का विनीता शर्मा बनाम राकेश शर्मा निर्णय बेटियों को जन्म से ही पैतृक संपत्ति में बराबरी का अधिकार देता है। इसके विरोधाभास से व्यवहार में समस्याएं आती हैं।
- विवाहिता पुत्री को विवाह के बाद पिता के परिवार की सदस्यता समाप्त कर वास्तविक हिस्सेदारी विवाह के समय ही दी जानी चाहिए।
- पति के परिवार में उसे पति के बराबर अधिकार मिलना चाहिए।
- बेटियों को जागरूक करने के लिए विशेष अभियान चलाया जाए और विवादों के निस्तारण के लिए अलग न्यायालय की स्थापना हो।

रिपोर्ट से स्पष्ट है कि सामाजिक दबाव, गलत धारणाएं और वसीयत के माध्यम से बेटियों को संपत्ति से वंचित किया जा रहा है। सरकार से अपेक्षा है कि कानूनों में आवश्यक संशोधन कर बेटियों को वास्तविक न्याय दिलाया जाए।
-प्रो. आरके सिंह लविवि

रिपोर्ट के सुझाव

- विवाहिता पुत्री को विवाह के बाद पिता के परिवार की सदस्यता समाप्त कर वास्तविक हिस्सेदारी विवाह के समय ही दी जानी चाहिए।
- पति के परिवार में उसे पति के बराबर अधिकार मिलना चाहिए।
- बेटियों को जागरूक करने के लिए विशेष अभियान चलाया जाए और विवादों के निस्तारण के लिए अलग न्यायालय की स्थापना हो।

I NEXT

90 फीसद बेटियों को नहीं मिलता है अपने पिता की संपत्ति में हिस्सा

एलयू की लॉ फैकल्टी ने बीकेटी और लखनऊ के आसपास के क्षेत्रों में किया सर्वे

lucknow@inext.co.in

LUCKNOW(13 Jan): पिता की संपत्ति में बेटियों के अधिकार को लेकर लखनऊ यूनिवर्सिटी की फैकल्टी ऑफ लॉ की हालिया रिपोर्ट के मुताबिक यूपी भू राजस्व संहिता 2006 के मुताबिक पिता की संपत्ति में अनमैरिड वीमेन को ही हिस्सा मिलता है. मैरिड वूमेन का अधिकार शादी के साथ ही खत्म हो जाता है. ऐसे में वीमेन के सामने एक चैलेंज शादी और संपत्ति में से एक ऑप्शन चूज करने का भी है. हिन्दू उत्तराधिकार(संशोधन) अधिनियम, 2005 और सुप्रीम कोर्ट के विनीता वर्मा वर्सेज राकेश शर्मा केस के फैसले के मुताबिक बेटियों को जन्म से ही पिता की संपत्ति में बराबरी का अधिकार है. जिसको लेकर एलयू की लॉ फैकल्टी ने राजधानी के बख्शी का तालाब और आसपास के इलाकों में सर्वे करते हुए एक रिपोर्ट तैयार की, जिसके मुताबिक लगभग 90 परसेंट बेटियों को पिता की संपत्ति में अधिकार नहीं मिला और ज्यादातर को इसके बारे में जानकारी ही नहीं हैं.

यूपी भू राजस्व संहिता 2006 के मुताबिक पिता की संपत्ति में अनमैरिड वीमेन को ही हिस्सा मिलता है.

सरकार से मिला था प्रोजेक्ट

एलयू की लॉ फैकल्टी को उत्तर प्रदेश शासन की रिसर्च एंड डेवलपमेंट योजना 2020-21 के तहत यह प्रोजेक्ट सौंपा गया था, जिसकी रिपोर्ट अब निकलकर सामने आई है. इस रिपोर्ट के अंतर्गत लॉ फैकल्टी की तरफ से कुछ सुझाव भी दिए गए हैं-

1. मैरिड वूमेन को शादी के टाइम ही उसकी वास्तविक हिस्सेदारी दी जानी चाहिए.
2. पति के परिवार में वूमेन को बराबर का अधिकार मिले.
3. वीमेन को अवेयर करने के लिए विशेष अभियान चलाए जाएं और इस तरह के केसेज के लिए अलग से सुनवाई की जाए.

DAINIK JAGRAN

लवि ने दिया प्लेसमेंट के लिए आवेदन का मौका

जासं • लखनऊ : लवि ने ब्रिंदावन बाटलर्स प्राइवेट लिमिटेड (कोका-कोला बाटलिंग यूनिट) में प्लेसमेंट अवसर उपलब्ध कराए हैं। इसके लिए 16 जनवरी तक किए जा सकेंगे। विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर दिए गए सेंट्रल प्लेसमेंट सेल कालम में इसकी विस्तृत जानकारी दी गई है। विश्वविद्यालय के प्रवक्ता प्रोफेसर मुकुल श्रीवास्तव की ओर से जारी सूचना के अनुसार कंपनी ट्रेनी केमिस्ट्री क्वालिटी के पद पर नियुक्ति करेगी।

चयनित उम्मीदवारों को एक वर्ष की प्रशिक्षण अवधि से गुजरना होगा, जिसके दौरान 15,000 प्रतिमाह भत्ता दिया जाएगा। प्रशिक्षण पूरा होने के बाद वार्षिक सीटीसी 1,87,272 निर्धारित है। तीन वर्ष का सेवा अनुबंध भी लागू होगा।

90 प्रतिशत बेटियों को पिता की संपत्ति में नहीं मिला हिस्सा

जासं • लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के विधि संकाय की ओर से किए गए एक शोध सर्वे में 90 प्रतिशत बेटियों को पिता की संपत्ति में हिस्सा न मिलने का दावा किया गया है। उत्तर प्रदेश शासन की रिसर्च एवं डेवलपमेंट योजना के तहत मिले प्रोजेक्ट में यह सर्वे बख्शी का तालाब तहसील के तहसील कठवाड़ा, चंदाकोडर, गोहना कला, अस्ति गांव में किया गया। हाल ही में इसकी रिपोर्ट शासन को भेज दी गई है।

परियोजना के प्रधान अन्वेषक प्रोफेसर राकेश कुमार सिंह बताते हैं कि 'मिशन शक्ति के अन्तर्गत बेटियों के कृषि एवं पैतृक सम्पत्ति में उत्तराधिकार की स्थिति का विधिक मूल्यांकन' विषय पर यह शोध प्रोजेक्ट 2021-22 में मिला था। वह बताते हैं कि वर्तमान में कृषि भूमि के उत्तराधिकार में उत्तर प्रदेश भू-राजस्व संहिता, 2006 लागू होती है, जिसके अनुसार अविवाहित पुत्री को ही पिता की भूमि में हिस्सा मिलता है। विवाहिता पुत्री का अधिकार स्वतः समाप्त हो जाता है। यह प्रविधान बेटियों को विवाह और सम्पत्ति के बीच कठिन विकल्प चुनने के लिए विवश करता है। इसके विपरीत, हिन्दू उत्तराधिकार (संशोधन) अधिनियम, 2005 और उच्चतम न्यायालय का विनीता शर्मा बनाम राकेश शर्मा निर्णय बेटियों को जन्म से ही पैतृक सम्पत्ति में बराबरी का अधिकार देता है। इस विरोधाभास ने व्यवहार में कई समस्याएं उत्पन्न की हैं।

250 घरों में की गई लड़कियों से बात : प्रोफेसर राकेश बताते हैं कि बीकेटी तहसील के विभिन्न गांव में 10 हजार घरों में करीब 50 हजार की आबादी है। इनमें करीब 250 परिवारों में बेटियों से बात करके निर्धारित प्रारूप पर प्रश्न पूछे गए थे। सर्वेक्षण में पाया गया कि 90 प्रतिशत बेटियों को उनके पिता की सम्पत्ति (कृषि भूमि) में हिस्सा नहीं दिया गया। अधिकांश को अपने अधिकारों की जानकारी भी नहीं थी। यह भी पता चला कि ज्यादातर में पिता वसीयत बनाकर अपनी सम्पत्ति पुत्रों के नाम कर दे रहे। यह रिपोर्ट स्पष्ट करती है कि सामाजिक दबाव, गलत धारणाएं और वसीयत के माध्यम से बेटियों को सम्पत्ति से वंचित किया जा रहा है।

रिपोर्ट के सुझाव

- विवाहिता पुत्री को विवाह के बाद पिता के परिवार की सदस्यता समाप्त कर वास्तविक हिस्सेदारी विवाह के समय ही दी जानी चाहिए।
- पति के परिवार में उसे पति के बराबर अधिकार मिलना चाहिए।
- बेटियों को जागरूक करने के लिए विशेष अभियान चलाया जाए और विवादों के निस्तारण के लिए अलग न्यायालय की स्थापना हो।
- सरकार से अपेक्षा है कि कानूनों में आवश्यक संशोधन कर बेटियों को वास्तविक न्याय दिलाया जाए।

लवि में 15 को अवकाश

लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय एवं कालेजों में 15 जनवरी को मकर संक्रांति के अवसर पर सार्वजनिक अवकाश रहेगा। इस दौरान लिखित, मौखिक एवं प्रयोगात्मक परीक्षाएं आदि पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार जारी रहेंगे। वि.

प्रो. आभा बनीं विभागाध्यक्ष

लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय ने रसायन विज्ञान विभाग की प्रोफेसर आभा विश्नोई को विभागाध्यक्ष पद की जिम्मेदारी सौंपी है। उनका कार्यकाल 14 जनवरी से अधिवर्षता आयु प्राप्ति 26 अगस्त 2027 तक अथवा अन्य कोई आदेश होने तक मान्य होगा। वि.

लवि : सांख्यिकी विभाग ने प्रयोगात्मक परीक्षाओं की तिथि तय की

लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के सांख्यिकी विभाग ने प्रयोगात्मक परीक्षा की तिथि तय कर दी है। सांख्यिकी के विभागाध्यक्ष प्रो. शशि भूषण के अनुसार एम.ए/ एम.एससी प्रथम सेमेस्टर की प्रयोगात्मक परीक्षा 23 जनवरी को सुबह 11 से दोपहर दो बजे तक विभाग में होगी। वहीं, वनस्पति विज्ञान की अध्यक्ष प्रो. गोरी सक्सेना ने बताया कि बी.एससी पहले और तीसरे सेमेस्टर के छूटे, बैक पेपर व एग्जेम्प्टेट विद्यार्थियों(एलयू सेंटर) की प्रयोगात्मक परीक्षा 28 जनवरी को होगी।

HINDUSTAN

पिता की संपत्ति में 90 फीसदी बेटियों को नहीं मिलता हिस्सा

सर्वे

लखनऊ, संवाददाता। लखनऊ विश्वविद्यालय के विधि संकाय के सर्वेक्षण में सामने आया कि 90 प्रतिशत बेटियों को उनके पिता की सम्पत्ति में हिस्सा नहीं दिया गया और अधिकांश को अधिकारों की जानकारी नहीं थी।

बवशी का तालाब तहसील में किए गए अध्ययन का विषय मिशन शक्ति के अन्तर्गत बेटियों के कृषि एवं पैतृक सम्पत्ति में उत्तराधिकार की स्थिति का विधिक मूल्यांकन था। जिसकी रिपोर्ट ने बेटियों के उत्तराधिकार अधिकारों में भेदभाव उजागर किया है। यह अध्ययन उत्तर प्रदेश शासन की रिसर्च एवं डेवलपमेंट योजना के तहत किया गया।

परियोजना के प्रधान अन्वेषक प्रो. राकेश कुमार सिंह ने बताया कि वर्तमान में कृषि भूमि के उत्तराधिकार में अविवाहित पुत्री को ही पिता की भूमि में हिस्सा मिलता है।

HINDUSTAN

अर्यमा ने वर्ल्ड रिकार्ड बनाने का किया प्रयास

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय स्थित परांजपे पवेलियन ग्राउंड में मंगलवार को शहर की 10 वर्षीय मेधावी छात्रा अर्यमा शुक्ला ने दो गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाने का प्रयास किया। अर्यमा ने मोस्ट डेसिमल प्लेसेस ऑफ इयूलर रिकॉल्ड इन वन मिनट और मोस्ट डेसिमल प्लेसेस ऑफ पाई रिकॉल्ड इन वन मिनट को तोड़ने का प्रयास किया। गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड के निर्देशित नियमों का पालन करते हुए अर्यमा ने आंखों पर पट्टी बांधकर एक मिनट में 360 अंक बोलकर इयूलर के वर्तमान रिकॉर्ड को तोड़ने की कोशिश की।

DAINIK JAGRAN

आर्यमा ने वर्ल्ड रिकार्ड बनाने का किया प्रयास

लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय परिसर के परांजपे पवेलियन ग्राउंड में मंगलवार को सिटी मांटेसरी स्कूल, अलीगंज शाखा में कक्षा पांच की छात्रा अर्यमा शुक्ला ने दो गिनीज वर्ल्ड रिकार्ड बनाने का प्रयास किया। लखनऊ विश्वविद्यालय क्रीड़ा परिषद के महासचिव प्रो. अजय कुमार आर्य ने बताया कि अर्यमा शुक्ला ने "मोस्ट डेसिमल प्लेसेस आफ इयूलर रिकाल्ड इन 1 मिनट" एवं "मोस्ट डेसिमल प्लेसेस आफ पाई रिकाल्ड इन 1 मिनट" को तोड़ने का प्रयास किया।

गिनीज वर्ल्ड रिकार्ड के नियमों का पालन करते हुए अर्यमा ने आंखों पर पट्टी बांधकर 1 मिनट में 360 अंक बोलकर अमेरिका की सांची गौरीनेनी के नाम दर्ज इयूलर के वर्तमान रिकार्ड 281 को तोड़ने का प्रयास किया। वहीं, वर्तमान में पाई का मान रिकार्ड 590 अंक एक मिनट में बोलने का रिकार्ड चीन के फआंग झाऊ के नाम दर्ज है। उसे भी छात्रा अर्यमा ने 630 अंक तक बोलकर रिकार्ड तोड़ने का प्रयास किया। वि.

AMAR UJALA

बीएससी बॉटनी के बैकपेपर 28 को

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में बीएससी बॉटनी के पहले और तीसरे सेमेस्टर के बैकपेपर व प्रैक्टिकल 28 जनवरी को होंगे। प्रवक्ता डॉ. मुकुल श्रीवास्तव ने बताया कि परीक्षा का समय सुबह 10 बजे है। इससे पहले विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय के नाम जमा की गई फीस की रसीद 21 जनवरी तक जमा करनी होगी। (संवाद)

प्रैक्टिकल परीक्षा 23 को

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में एमए व एमएससी स्टैटिक्स की प्रैक्टिकल परीक्षा 23 जनवरी को होगी। प्रवक्ता डॉ. मुकुल श्रीवास्तव ने बताया कि परीक्षा सुबह 11 से दोपहर दो बजे तक सांख्यिकी विभाग में होगी। (संवाद)

I NEXT

एलयू में प्रैक्टिकल एग्जाम की डेट तय की गई

LUCKNOW(13 Jan): एलयू के सांख्यिकी विभाग ने प्रयोगात्मक परीक्षा की तिथि तय कर दी है. सांख्यिकी के विभागाध्यक्ष प्रो. शशि भूषण के अनुसार एमए/ एमएससी प्रथम सेमेस्टर की प्रयोगात्मक परीक्षा 23 जनवरी को सुबह 11 से दोपहर दो बजे तक विभाग में होगी. वनस्पति विज्ञान की अध्यक्ष प्रो. गोरी सक्सेना ने बताया कि बी.एससी पहले और तीसरे सेमेस्टर के छूटे, बैक पेपर व एग्जेम्प्टेट विद्यार्थियों(एलयू सेंटर) की प्रयोगात्मक परीक्षा 28 जनवरी को होगी.

HINDUSTAN

छात्र नौकरी को 16 तक आवेदन करें

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के केंद्रीय प्लेसमेंट सेल की ओर से ब्रिंदावन बॉटलर्स प्रा.लि. में प्लेसमेंट अवसर का मौका दिया गया है। यह प्लेसमेंट ट्रेनी केमिस्ट-क्वालिटी पद के लिए है, जिसका कार्य-स्थल नवाबगंज उन्नाव निर्धारित है। यह भूमिका गुणवत्ता एवं खाद्य सुरक्षा प्रक्रियाओं से जुड़े कार्यों में सहयोग से संबंधित है। ऑनलाइन 16 जनवरी तक आवेदन कर सकते हैं।

HINDUSTAN

जाह्नवी, मुस्कान ने पीएम के सामने रखे विचार

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय की ओर से दिल्ली के भारतमंडपम में विकसित भारत यंग लीडर्स डिबेट प्रोग्राम के अंतिम चरण में जाह्नवी गुप्ता और मुस्कान पांडेय ने प्रतिभाग किया। एमए राजनीति विज्ञान की जाह्नवी और बीए की मुस्कान ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह व राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल समेत अन्य के सामने विकसित भारत पर विचार प्रस्तुत किए।

NBT

अर्यमा ने एक मिनट में गिनी 360 तक गिनती

■ **NBT न्यूज, लखनऊ:** लखनऊ की 10 वर्षीय मेधावी छात्रा अर्यमा शुक्ला ने मंगलवार को लखनऊ विश्वविद्यालय मे दो गिनीज वर्ल्ड रेकॉर्ड बनाने का प्रयास किया। अर्यमा ने ₹मोस्ट डेसिमल प्लेसेस ऑफ इयूलर रिकॉल्ड इन 1 मिनट₹ एवं ₹मोस्ट डेसिमल प्लेसेस ऑफ पाई रिकॉल्ड इन 1 मिनिट₹ को तोड़ने का प्रयास किया। गिनिस वर्ल्ड रेकॉर्ड के निर्देशित नियमो का पालन करते हुए अर्यमा ने आखो पर पट्टी बाधकर 1 मिनट मे 360 अंक बोलकर इयूलर के वर्तमान रेकॉर्ड जो कि 281 है और अमेरिका की सांची गौरीनेनी के नाम है को तोड़ने का प्रयास किया। इसके साथ ही वर्तमान मे पाई का रेकॉर्ड चीन के फआंग झाऊ के नाम है जो की 598 अंक है अर्यमा ने 630 अंक बोलकर इस रेकार्ड को तोड़ने का प्रयास किया। इस अवसर पर बीरबल साहनी पुराविज्ञान सस्थान के वज्ञानिक- ई डॉ. कमलेश कुमार (इंडिपेंडेंट विटनेस), नेशनल पीजी कॉलेज के गणित के असिस्टेंट प्रोफेस्सर डॉ. निर्मल श्रीवास्तव (गणित विशेषज्ञ), डॉ. मोहम्मद तारिक, डॉ. शरद चौरसिया टाइम कीपिग के लिए उपस्थित रहे। अब सभी साक्ष्यो को गिनीज वर्ल्ड रेकॉर्ड टीम को सत्यापन के लिए भेजा जाएगा।

AMRIT VICHAR

सांख्यिकी प्रायोगिक परीक्षाएं 23 को

अमृत विचार, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय में सांख्यिकी प्रायोगिक परीक्षाएं एमए और एमएससी की आगामी 23 जनवरी को होंगी। प्रथम सेमेस्टर की यह परीक्षाएं सुबह 11 से 2 बजे के बीच विभाग में ली जाएंगी।

CITY BRIEFS

15 को एलयू और कालेजों में अवकाश

लखनऊ विश्वविद्यालय एवं सहयुक्त महाविद्यालयों में 15 जनवरी को मकर संक्रांति के अवसर पर सार्वजनिक अवकाश रहेगा. इस दौरान लिखित, मौखिक एवं प्रयोगात्मक परीक्षाएं आदि पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार जारी रहेंगे. कुलसचिव डा. भावना मिश्रा ने इस संबंध में आदेश जारी किया है.

प्रो. आभा बनाई गईं विभागाध्यक्ष

लखनऊ विश्वविद्यालय ने रसायन विज्ञान विभाग की प्रोफेसर आभा विश्नोई को विभागाध्यक्ष पद की जिम्मेदारी सौंपी है. उनका कार्यकाल 14 जनवरी से अधिवर्षता आयु प्राप्ति 26 अगस्त 2027 तक अथवा अन्य कोई आदेश होने तक मान्य होगा. वीसी के आदेश पर कुलसचिव डा. भावना मिश्रा ने इस संबंध में मंगलवार को पत्र जारी कर दिया.

बीए हिंदी सातवें सेमेस्टर की परीक्षा 20 से

एलयू 20 जनवरी से बीए हिंदी सातवें सेमेस्टर परीक्षाओं की शुरुआत करेगा. मंगलवार को इसकी समय सारिणी जारी की गई है. 30 जनवरी तक संचालित होने वाली यह परीक्षा विश्वविद्यालय के पुराने परिसर में आयोजित की जाएगी.

एक नजर में

छात्रा जानवी और मुस्कान ने विकसित भारत पर रखे विचार

लखनऊ : लवि की ओर से दिल्ली के भारत मंडपम में 'विकसित भारत यंग लीडर्स डिबेट प्रोग्राम' के अंतिम चरण में जानवी गुप्ता एवं मुस्कान पांडेय ने प्रतिभाग किया। विकसित भारत यंग लीडर्स डिबेट प्रोग्राम के प्रारंभिक चरण का आयोजन 12 एवं 13 दिसंबर को लवि में हुआ था। इसमें सफल अभ्यर्थियों ने 9 से 12 जनवरी के बीच नई दिल्ली के भारत मंडपम में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल के समक्ष विकसित भारत पर विचार प्रस्तुत किए। इसमें लवि की तरफ से एम.ए पालिटिकल साइंस की जानवी गुप्ता और बी.ए तीसरे सेमेस्टर की मुस्कान पांडे ने अपने विचार प्रस्तुत किए। वि.